

प्रेषक,

सुनीलश्री पांथरी
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग-5

देहरादून : दिनांक 14 दिसम्बर, 2011

विषय: 108 आपातकालीन सेवा के मुख्यालय भवन के जीर्णोद्धार एवं आधुनिकीकरण
कार्यों हेतु प्रशासनिक स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक 7प/1/8/2011/51189 दिनांक 4.11.2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय 108 आपातकालीन सेवा के मुख्यालय भवन के जीर्णोद्धार एवं आधुनिकीकरण हेतु गठित आगणन रु० 153.66 लाख के सापेक्ष टी०ए०सी० के परीक्षणोपरान्त संस्तुत लागत रु० 150.94 लाख पर प्रशासनिक स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. संस्तुत लागत के सापेक्ष धनराशि का व्यय एन०आर०एच०एम० द्वारा ई०एम०आर०आई० संस्था को उपलब्ध करायी गयी रु० 250.00 लाख की धनराशि के अन्तर्गत की जायेगी । ई०एम०आर०आई० संस्था द्वारा धनराशि तत्काल कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायी जायेगी।
2. सिविल कार्यों हेतु स्वीकृत की जा रही धनराशि के अतिरिक्त आगणन में प्रस्तावित अधिप्राप्ति सम्बन्धी कार्यों यथा Fancy light, land scapping, विद्युत कार्य kitchen, Networking, AC, Fire Fighting, C.C.T.V. Work Station आदि हेतु अनुमानित लागत रु० 109.19 को उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008 एवं समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा।
3. कार्य करने से पूर्व दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
4. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी।
5. कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
6. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

7. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
8. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें। कार्य के सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था से वित्त विभाग के शासनादेश 475/XXVII(7) / 2008 दिनांक 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर एम0ओ0यू0 अवश्य हस्ताक्षरित कर लिया जायेगा।
9. आगणन में प्राविधानित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु सम्बंधित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
10. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
11. यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-318(P)/XXVII(3)/2011-12 दिनांक 13 दिसम्बर 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव,

संख्या-1735 (1)/XXVIII-5-2011-129/2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
2. सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. जिलाधिकारी, देहरादून।
6. मुख्य चिकित्साधिकारी, देहरादून।
7. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
8. परियोजना प्रबन्धक उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम निर्माण इकाई, देहरादून।
9. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
11. मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव,